www.pdgroup.in
E-mail : publisher@pdgroup.in
वर्ष 36 षष्ठम् अंक
जनवरी 2023

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 समसामयिक सामान्य ज्ञान
15 आर्थिक परिदृश्य
19 राष्ट्रीय परिदृश्य
23 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य

28 क्रीड़ा जगत्
31 विज्ञान समाचार
32 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य

युवा प्रतिभाएं

33 (i) रेलवे भर्ती बोर्ड गुवाहाटी द्वारा आयोजित परीक्षा में सहायक लोको पायलट के पद पर चयनित-भीम सिंह
34 (ii) द इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सेलेक्शन द्वारा आयोजित परीक्षा 2022-23 में प्रोबेशनरी ऑफीसर/ मैनेजमेण्ट ट्रेनी के पद पर चयनित—शुभम गुप्ता
35 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
39 सारभूत तत्व कोष

लेख

42 **आर्थिक असमानता लेख**—गरीबी मिटाने के सार्थक प्रयास होने चाहिए
43 **बैंकिंग लेख**—भारत में नियो बैंकिंग—स्वरूप और सम्भावनाएं
45 **सामयिक लेख**—पराली प्रबंधन की तकनीक
47 **रोजगारोन्मुख शिक्षा लेख**—जीवन कौशल की भूमिका
49 **प्रतिरक्षा-उत्पादन लेख**—भारत में रक्षा क्षेत्र के स्वदेशीकरण की वर्तमान स्थिति
50 **भाषायी लेख**—हिन्दी को तकनीक व कॅरियर से जोड़ने की आवश्यकता है
51 **कृषि लेख**—पाला एवं बचाव
52 **प्रतिरक्षा लेख**—(i) स्वदेशी ड्रोन और प्रतिरक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता
53 (ii) भारतीय वायुसेना को प्रचंड शक्ति देगा स्वदेशी प्रचंड हेलीकॉप्टर
54 **वाणिज्यिक लेख**—व्यावसायिक उत्तरदायित्व और सुस्थिरता प्रतिवेदन : संधारणीय भविष्य के लिए नवीन पहल
57 कॅरियर सलाह

हल प्रश्न-पत्र

59 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (प्रथम चरण) परीक्षा, 2021
70 एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ, हवलदार सीबीआईसी और सीबीएन परीक्षा, 2021
78 छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2022

मॉडल हल प्रश्न

87 आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया पी.ओ. प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
98 आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया लिपिकीय संवर्ग प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
108 आगामी उत्तराखण्ड उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस/अभिसूचना) गुल्मनायक पुरुष पीएसी/ आईआरबी परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
115 आगामी राजस्थान सामान्य पात्रता परीक्षा 2022-23 का हल प्रश्न-पत्र

विविध/सामान्य

122 **वर्षांत समीक्षा 2021**—पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
127 ज्ञान वृद्धि कीजिए
128 भारत की विविध पारम्परिक नाट्य शैलियाँ
130 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **-सम्पादक**

सम्पादकीय

व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा कीजिए

व्यक्तिगत स्वतंत्रता और देश प्रेम का बहुत महत्व है. वे युवक हमारे आदर्श हैं, जो इनके नाम पर विदेशों में रहकर बड़ी नौकरियाँ स्वीकार करते हैं. जीवन में धन ही सर्वस्व नहीं है. सुख-सुविधाओं के जीवन को त्याग करने वाली महान् विभूतियों का हम आज भी स्मरण करते हैं. हमें समझ लेना चाहिए कि हर सोने की लंका के पीछे रावण का व्यक्तित्व पनपता है.

फीस माफी के साथ प्रवेश मिलने पर भी एक किशोर ऐमटी में नहीं गया, क्योंकि वहाँ पढ़ने के पश्चात् विदेश में रहना अनिवार्य हो जाता और वह अपने देश भारत को नहीं छोड़ना चाहता था. एक अन्य किशोर ने बहुराष्ट्रीय कम्पनी की नौकरी इसलिए अस्वीकार कर दी, क्योंकि उसमें मशीन की तरह कार्य करना पड़ता है और व्यक्तिगत जीवन समाप्त हो जाता है. एक अन्य किशोर सिविल सेवाओं में इसलिए जाना चाहता है, क्योंकि वह राष्ट्र की सेवा करने के लिए उत्सुक है.

कुछ बालकों से बातचीत करने पर बहुत सुखद अनुभूति हुई. कोई बालक पानी की बचत का अभियान चलाने का उत्सुक है कोई खाली समय में गरीबों को पढ़ाने की इच्छा करता है. कुछ बालक ऐसे भी हैं जो अपने जेब खर्च से बचत करके गरीब बालकों को कपड़े, किताबें आदि बाँटना चाहते हैं.

हमारे युवा पाठकों को उक्त वार्ताओं से प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए. उन्हें समझ लेना चाहिए कि जिस देश की मिट्टी में खेलकूद कर बड़े हुए हैं, उसके प्रति उनका कर्तव्य है कि वे उसके काम आएं. हमें देखकर आश्चर्य होता है कि किसी नौकरी का चयन करते समय उनके सामने केवल यही बात रहती है कि इसमें उन्हें क्या सुविधाएं मिलेंगी अथवा मौज-मस्ती के कितने अवसर मिलेंगे. उदाहरण के लिए सेना में भर्ती होते समय प्रत्याशियों के ध्यान में केवल यही बात रहती है कि यहाँ काम करने पर सब प्रकार की सुविधाएं हैं और काम के नाम पर केवल कुछ समय परेड करनी पड़ती है. वे ये कदाचित् ही यह सोचते हों कि सेना में रहकर वे देश की रक्षा करेंगे और उसकी रक्षा के नाम पर उन्हें बलिदान होने का सौभाग्य प्राप्त होगा. यहाँ यह बता देना अनुचित न होगा कि चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध अवसर पर सेना में काम करने वाले अनेक युवकों ने बीमारी के नाम पर छुट्टी लेने की कोशिश की थी. मध्यकाल में इसके विरुद्ध मानसिकता के दर्शन होते हैं. पुरुष युद्ध में मृत्यु का आलिंगन करने पर स्वर्ग प्राप्ति की आकांक्षा करते थे और उनकी माताएं, बहनें और पत्नियाँ आदि युद्ध में बलिदान होने वाले पुत्र एवं पतियों पर गर्व करती थीं और युद्ध से भाग आने व पीठ दिखाने वाले पुत्र और पतियों के लिए घर के दरवाजे बन्द कर लिया करती थीं. हमें यह देखकर दुःखद आश्चर्य होता है कि हमारा युवा वर्ग भारत के तीर्थ स्थलों, ऐतिहासिक स्थानों आदि को देखने के लिए उतने उत्सुक नहीं हैं, जितने वे अमरीका और इंगलैण्ड जाने के स्वप्न देखते हैं. वे भूल जाते हैं कि जिस व्यक्ति को देश की मिट्टी से प्यार नहीं होता है उसकी पहचान या अस्मिता समाप्त हो जाती है. उन्हें राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की इस वाणी पर मनन करना चाहिए कि "जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है वह नर नहीं है पशु निरा है और मृतक समान है."